पाक्षिक

खबर आस पास

RJHIN/26/A2554

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी

मो. 9587570001

Email : khabaraaspass@gmail.com

पृष्ठ : 4 मूल्य : 5.00 रुपये

बीकानेर : बुधवार 16 सितम्बर 2026

वर्ष : 1 अंक : 8

राजस्थान- 5 नगर निगमों में हो सकता है बड़ा उलटफेर

निर्दलीय जिसके साथ, उसका बनेगा मेयर; डूंगरपुर में बीएपी प्रत्याशी को मिला 0 वोट

जयपुर कासं। राजस्थान में नगर निकाय चुनावों के नतीजों के बाद जोधपुर, अजमेर, भरतपुर, अलवर और पाली नगर निगम में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में 5 नगर निगमों में बड़ा उलटफेर हो सकता है।

यहां निर्दलीय किंगमेकर हैं और वे जिस पार्टी को समर्थन देंगे, उसका मेयर बनेगा। इनमें भी भरतपुर ऐसा निगम है, जहां भाजपा-कांग्रेस से ज्यादा निर्दलीय जीतकर आए हैं। डूंगरपुर नगर परिषद के वार्ड-3 से बीएपी से चुनाव लड़ी आशा रोत को एक भी वोट नहीं मिला।

इधर, जयपुर, जोधपुर, कोटा नगर निगम और सुकेत नगर पालिका को छोड़कर 305 निकायों में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए मंगलवार से नामांकन शुरू हो गए।

वहीं, राज्य निर्वाचन आयोग ने जयपुर, जोधपुर, कोटा नगर निगम और सुकेत नगर पालिका में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों के चुनाव स्थगित कर दिए हैं। इनमें 21 सितंबर को निकाय प्रमुखों के लिए वोटिंग नहीं होगी। सोमवार को काउंटिंग के दौरान EVM में तकनीकी खराबी के कारण इन चारों निकायों के 10 बूथों पर रिजल्ट अटक गए थे। इन बूथों पर 16 सितंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक रिपोलिंग होगी। 17 सितंबर को मतगणना होगी।

अजमेर नगर निगम में कांग्रेस ने 80 में से 37 वार्ड जीते हैं। कांग्रेस मंगलवार को बाड़ेबंदी से अपने 19 पार्षदों को अतिरिक्त जिला कलेक्टर ऑफिस लेकर पहुंची। यहां उन्हें पद की शपथ दिलाई गई।

जयपुर सहित 4 निगम में बीजेपी बनाएगी मेयर

जयपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा और कोटा में बीजेपी मेयर बनाएगी। बीकानेर में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है। पाली और अजमेर में कांग्रेस और अलवर में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। जोधपुर में कांग्रेस-भाजपा में कांटे की टक्कर है। भरतपुर में निर्दलीय आगे रहे। इसी तरह प्रदेश की 47 नगर परिषद में से 28 परिषदों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। यहां निर्दलीय किंगमेकर होंगे। 12 नगर परिषद में भाजपा, 6 में कांग्रेस और 1 में आम आदमी पार्टी (आप) को बहुमत मिला है।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के गढ़ झालावाड़ में कांग्रेस ने जीत हासिल की है। यहां 45 वार्डों में से 29 में कांग्रेस जीती है। 13 में बीजेपी, 2 में निर्दलीय और 1 में आप जीती है। बारां में आप ने 60 में से 31 वार्ड जीतकर बहुमत हासिल कर लिया।

जयपुर निगम : बीजेपी-कांग्रेस के 17 प्रत्याशियों की जमानत जब्त

7 वार्ड में भाजपा को 1 हजार वोट से कम; कई वार्डों में दोनों पार्टियों के उम्मीदवार पांचवे स्थान पर

जयपुर कासं। जयपुर नगर निगम चुनाव में बीजेपी-कांग्रेस के 17 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई है। इनमें से एक वार्ड तो ऐसा भी है, जहां बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। यहां पहले, दूसरे और तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी रहे।

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में से 146 का रिजल्ट सोमवार को आ गया। बीजेपी ने एक बार फिर यहां बहुमत हासिल करके बोर्ड बना लिया। हालांकि 7 वार्डों में बीजेपी प्रत्याशियों को एक-एक हजार वोट से भी कम मिले हैं।

इन वार्डों में बीजेपी-कांग्रेस प्रत्याशियों की जमानत जब्त

पार्टी	वार्ड नंबर
बीजेपी	1, 35, 71, 72, 109, 113, 119, 125, 128, 136, 137, 147, 148
कांग्रेस	1, 48, 73, 140

कांग्रेस से ज्यादा बीजेपी प्रत्याशियों की जमानत जब्त

इस बार कांग्रेस ने नगर निगम चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ा। भले ही बीजेपी का बोर्ड बना हो, लेकिन कांग्रेस का वोट प्रतिशत भाजपा से बहुत ज्यादा कम नहीं रहा। वार्डवाइज बात करें तो अधिकांश जगहों पर बीजेपी की तुलना में कांग्रेस की स्थिति ज्यादा अच्छी रही। जिन 17 प्रत्याशियों (बीजेपी-कांग्रेस) की जमानतें जब्त हुई हैं, उसमें 13 बीजेपी के हैं, जबकि 4 कांग्रेस के।

7 वार्डों में 1 हजार से भी कम वोट मिले

146 वार्डों में से 7 वार्ड में बीजेपी प्रत्याशियों को एक-एक हजार वोट से भी कम वोट मिले हैं। इन सभी वार्डों में बीजेपी की जमानत जब्त हुई है। वहीं कांग्रेस के लिए ऐसा एक भी वार्ड नहीं रहा, जहां उसके किसी उम्मीदवार को 1 हजार से कम वोट मिले हों।

19 वार्डों में बीजेपी तीसरे या उससे नीचे पायदान पर रही

निकाय चुनावों के रिजल्ट पर नजर डालें तो 146 में से 19 वार्ड ऐसे हैं, जहां बीजेपी प्रत्याशी तीसरे, चौथे, पांचवे और छठे स्थान पर रहा है। 15 वार्ड ऐसे हैं, जहां तीसरे स्थान पर रहा। वहीं 2 वार्ड ऐसे हैं, जहां चौथे और एक-एक वार्ड ऐसा है, जहां बीजेपी प्रत्याशी पांचवे, छठे स्थान पर रहा।

इसी तरह कांग्रेस के 16 प्रत्याशी ऐसे हैं, जो तीसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा 2 प्रत्याशी ऐसे हैं, जो पांचवे स्थान पर रहे।

एनडीए के 3 सहयोगी दलों ने यूसीसी का समर्थन किया

नई दिल्ली एजेन्सी। NDA के 3 सहयोगी दल तेलुगु देशम पार्टी, शिंदे गुट की शिवसेना और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने समान नागरिक संहिता (UCC) के समर्थन की बात कही है। वहीं, बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा है कि वह राज्य में UCC लागू नहीं होने देगा। दरअसल, गृह मंत्री अमित शाह ने 13 सितंबर को कहा था कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले BJP-NDA शासित 21 राज्यों में UCC लागू कर दिया जाएगा। फिलहाल देश में 22 राज्यों में NDA की सरकार है। इनमें उत्तराखंड में जनवरी 2025 से इसे लागू है। यानी बाकी 21 राज्यों में इसे लागू करने का लक्ष्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में UCC बिल पास हो चुका है। अब इन राज्यों में राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने UCC का कानून तैयार करने के लिए समितियां गठित की हैं।

TDP नेता बोले- पार्टी UCC का समर्थन करेगी

लोकसभा में TDP नेता लावू कृष्ण देवरायुलु ने कहा कि पार्टी UCC का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि इसे लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों से बातचीत की जाएगी। फिलहाल इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई है। TDP और JDU पहले UCC से जुड़े कानून का विरोध कर चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद TDP के NDA में शामिल होने से पहले चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि UCC के मुद्दे पर पार्टी मुस्लिम समुदाय के साथ खड़ी रहेगी।

JDU बोला- देश में समर्थन, बिहार में लागू नहीं होने देंगे

JDU नेता श्याम रजक ने कहा कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर UCC का समर्थन करती है, लेकिन बिहार में इसे लागू नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि JDU अपने इस रुख पर कायम है। इसको लेकर JDU नेता संजय झा अमित शाह से मुलाकात करेंगे। वहीं, बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में UCC लागू करने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। हालांकि, भाजपा की सहयोगी NCPI ने अभी इस पर फैसला नहीं लिया है और प्रस्ताव आने के बाद चर्चा करने की बात कही है।

शिवसेना और HAM भी समर्थन में

शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे ने UCC को समानता, न्याय और राष्ट्रीय एकता से जुड़ा बताया और इसका समर्थन किया। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) (HAM) के अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने भी अमित शाह के बयान का स्वागत करते हुए UCC को समर्थन दिया।

केदारनाथ यात्रा फिर शुरू, बिना हेलमेट एंट्री नहीं

यूपी-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट; बिहार में 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर

नई दिल्ली एजेन्सी। केदारनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई है। चीरवासा के पास क्षतिग्रस्त रास्ते से अब 200-200 यात्रियों को सुरक्षित आगे भेजा जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए बिना हेलमेट किसी को भी आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। चीरवासा में करीब 100 मीटर का क्षेत्र डेंजर जोन में आता है। यहां कभी भी लैंडस्लाइड होने का खतरा बना हुआ है। वहीं, बिहार में 15 जिलों में 49.67 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य की 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 22 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने यूपी के 72 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में 17 सितंबर तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। हरियाणा के 8 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। पंजाब के 18 जिलों में आज बारिश की संभावना है।

चैन्नई में बोलीं निर्मला शीतारमण 'जेन Z' और युवा ग्रेजुएट्स देशहित को सबसे ऊपर रखें

नई दिल्ली एजेन्सी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 'जेन Z' और 'जेन अल्फा' से लीडरशिप की भूमिका निभाने और देश के हितों को सबसे ऊपर रखने को कहा। उन्होंने युवा ग्रेजुएट से कहा कि वे देश से क्या उम्मीद कर सकते हैं, इसके बजाय इस बात पर ध्यान दें कि वे देश के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। चेन्नई में डॉ. एम.जी.आर. एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि देश युवाओं की आकांक्षाओं को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन उन्हें भी अपनी ज़िम्मेदारी निभानी चाहिए और अपने नागरिक कर्तव्यों को पूरा करना चाहिए।

सीतारमण ने कहा कि चाहे आप खुद को Gen Z कहें या Gen Alpha, हम सभी आपकी बात सुनने के लिए तैयार हैं। लेकिन आपको इस बात पर सोचना होगा कि आपके आस-पास क्या हो रहा है, आपकी क्या भूमिका है और आपके जरिए देश के लिए क्या हासिल किया जा सकता है। ग्रेजुएट हो रहे छात्रों से अपने-अपने क्षेत्रों में लीडरशिप संभालने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, लीडरशिप संभालें। आपको लीड करना होगा और देश को सबसे ऊपर रखना होगा। अगर देश सुरक्षित और मज़बूत रहेगा, तभी हमारे पास रहने के लिए घर होगा। हमें कभी भी अपने देश का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

सीतारमण ने राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता के महत्व को रेखांकित करने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व में अशांति जैसे चल रहे संघर्षों का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने मैक्रो-इकोनॉमिक स्थिरता बनाए रखी और 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज की; उन्होंने इस मज़बूती का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। युवा प्रोफेशनल्स के लिए मौकों का ज़िक्र करते हुए सीतारमण ने कहा कि तमिलनाडु एक बड़े इंडस्ट्रियल और टेक्नोलॉजी हब के तौर पर उभरा है।

27 को श्रीडूंगरगढ़ में जुटेंगे देशभर के साहित्यकार, कागज से स्क्रीन तक : सृजन की बदलती दुनिया' पर होगा मंथन

डीपी पच्चीसिया समाज सेवा और प्रियंका जोधावत शब्द-शिल्पी सम्मान से समादृत होंगे

बीकानेर/श्रीडूंगरगढ़। कागज पर उतरती रचना से लेकर स्क्रीन पर आकार लेते सृजन तक साहित्य की दुनिया तेजी से बदल रही है। इस बदलाव की संभावनाओं, चुनौतियों और प्रभावों पर देशभर के साहित्यकार एवं विद्वान 27 सितम्बर को श्रीडूंगरगढ़ में मंथन करेंगे। राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति का वार्षिकोत्सव इस बार साहित्यकार समारोह के रूप में संस्कृति सभागार में आयोजित होगा। समारोह में वर्ष 2026 के राष्ट्रीय सृजन पुरस्कारों के साथ विभिन्न सम्मान भी प्रदान किए जाएंगे।

समिति के संस्थाध्यक्ष श्याम महर्षि ने बताया कि समारोह का प्रमुख विमर्श 'कागज से स्क्रीन तक : सृजन की बदलती दुनिया' विषय पर केंद्रित होगा। साहित्य के पारंपरिक माध्यमों से डिजिटल मंचों तक की यात्रा, बदलती पाठकीयता, तकनीक के बढ़ते प्रभाव तथा सृजन की नई संभावनाओं पर देशभर से आए साहित्यकार और विद्वान विचार साझा करेंगे। समारोह संयोजिका

भगवती पारीक 'मनु' ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य केवल पुरस्कार प्रदान करना नहीं, बल्कि बदलते समय में साहित्य की भूमिका और उसके नए माध्यमों पर सार्थक संवाद स्थापित करना भी है।

समिति के मंत्री एवं साहित्यकार रवि पुरोहित ने बताया कि इस वर्ष का रामकिशन उपाध्याय स्मृति समाज सेवा सम्मान समाजसेवी एवं उद्योगपति डीपी पच्चीसिया को प्रदान किया जाएगा। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अनुरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राजस्थान प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी एवं कवयित्री प्रियंका जोधावत को शब्द शिल्पी सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। समिति के संयुक्त मंत्री विजय महर्षि ने बताया कि कोटा कृषि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. विमला डुकवाल समारोह की अध्यक्षता करेंगी। जैन विश्व भारती डीम्ड विश्वविद्यालय, लाडनूं के कुलपति प्रो. बच्छराज दुगड़ मुख्य अतिथि तथा संस्कृत शिक्षा राजस्थान की आयुक्त प्रियंका जोधावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साहित्यकार-समालोचक डॉ. मदगोपाल लढ़ा मुख्य वक्ता होंगे। पूर्व घोषित मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान रोहतक के साहित्यकार मधुकांत को प्रदान किया जाएगा। डॉ. नंदलाल महर्षि स्मृति हिन्दी सृजन पुरस्कार जयपुर के कथाकार- उपन्यासकार डॉ. सूरजसिंह नेगी, शिवप्रसाद सिखवाल स्मृति महिला लेखन पुरस्कार उज्जैन की साहित्यकार मीरा जैन, सुरेश कंचन ओझा लेखन पुरस्कार किशनगढ़ के डॉ. सतीश कुमार, चन्द्रमोहन हाड़ा 'हिमकर' स्मृति उपन्यास लेखन पुरस्कार गाजियाबाद के साहित्यकार अरविंद पथिक तथा श्यामसुन्दर नागला स्मृति बाल साहित्य पुरस्कार मड़वा नगर, उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ बाल साहित्यकार लाल देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव को अर्पित किए जाएंगे। समिति के कोषाध्यक्ष रामचन्द्र राठी के अनुसार साहित्यश्री सम्मान के तहत 21 हजार रुपये नगद प्रदान किए जाएंगे। अन्य पुरस्कारों के अंतर्गत 11 हजार रुपये, सम्मान-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं शॉल अर्पित किए जाएंगे। वहीं शब्द शिल्पी सम्मान के अंतर्गत सम्मान-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं शॉल आदि प्रदान किए जाएंगे। उपाध्यक्ष डॉ. मदन सैनी ने बताया कि साहित्य और तकनीक के बदलते रिश्तों को केंद्र में रखकर आयोजित यह समारोह श्रीडूंगरगढ़ की साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में एक नया विस्तार देगा।

पूनरासर पदयात्रियों के लिए दड़िया महाराज मंडल का कन्हैया लाल प्याऊ पर 16 से 18 सितंबर तक सेवा शिविर

बीकानेर (खबर आस पास)। पूनरासर पदयात्रियों के लिए बाबा दड़िया महाराज का मण्डल कन्हैयालाल जी की प्याऊ पर अपनी सेवाएं जारी रखेगा। दड़िया महाराज मण्डल के अध्यक्ष कन्हैयालाल व्यास ने बताया कि इस साल भी दड़िया महाराज का मण्डल पिछले सालों की तरह ठंडा जल, स्नान सेवा, पकौड़ी आलू की सब्जी सभी प्रकार के पकौड़े,जलेबी की सेवा भक्तो के लिए जारी रहेगी। 16 सितंबर से 18 सितंबर तक सेवा रहेगी। 19 सितंबर को कन्हैयालाल जी की प्याऊ पर बाब का प्रसाद रखा गया है।

मण्डल के सचिव रामप्रकाश व्यास(रामजी) ने बताया कि इस साल भी हर साल की तरह महिलाओ के लिए स्नान के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। ताकि महिलाओ को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

दड़िया महाराज के मण्डल के बलदेव दास व्यास और श्याम सुन्दर व्यास ने बताया कि उनका परिवार निरन्तर सेवाएं दे रहा है और वर्षो से चली आ रही परम्परा को निभा रहा है आगे भी बाबे का आशीर्वाद रहा तो उनके आगे की पीढ़ी भी इस परंपरा का निर्वहन करती रहेगी। संस्था के किशन लाल व्यास ने कहा कि उनकी टीम में उनके परिवार के अलावा भी कुछ भक्त तन से अपनी सेवाएं देते है। दड़िया महाराज मण्डल में अपनी सेवाएं देने वालों में कैलाश व्यास,कांतिलाल कच्छावा, चेनाराम गोदारा, रामेश्वर गोदारा, देवेंद्रप्रकाश व्यास, चंद्रप्रकाश, सूर्यप्रकाश व्यास, आदित्य आचार्य, दीपक व्यास (पार्षद), अमित, सुमित, महेंद्र रंगा, हेशिव रंगा, हरिरतन पुरोहित, शिवरतन, मनीष, शरद बिस्सा, यादवेंदर, कालूराम रंगा, चांद रतन पुरोहित, बृजगोपाल बिस्सा, बद्रीनारायण व्यास, कुणाल व्यास,सुधांशू व्यास, अनिरूद् व्यास,अंशुमान व्यास, पदम, रवि आचार्य, भानू आचार्य आदि।

जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 78 का राज्य स्तर के लिए चयन

बीकानेर (खबर आस पास)। बीकानेर जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से आयोजित तीसरी जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 172 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर 78 खिलाड़ियों का आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। श्री बीकानेर महिला मंडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में ओलिम्पिक मार्शल आर्ट्स एकेडमी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर टीम ट्रॉफी जीती। अभिरुचि (आर्मी) ताइक्वांडो एकेडमी द्वितीय तथा कोबरा काई/स्काई हॉक एकेडमी तृतीय स्थान पर रही। जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राकेश हर्ष एवं उपाध्यक्ष विक्रम सिंह ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी रफीक खान का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। सचिव राजेंद्र बुडानिया ने मंचासीन अतिथियों कर्नल अजीन जोस, मेजर धानवीर एवं कैप्टन हरीश यादव का साफा पहनाकर स्वागत किया। कोच अनूप चतुर्वेदी, जितेंद्र सिंह, अनिल बिशु, विशाल तेजी एवं राजेश प्रजापत ने अतिथियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। सचिव राजेंद्र बुडानिया ने कहा कि खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और प्रशिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में धनेश गहलोत तथा महिला वर्ग में कोमल कंवर को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों का चयन आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

पूनरासर मेले में जेएस सेवा समिति का तीन दिवसीय भंडारा कल से

बीकानेर (खबर आस पास)। बीकानेर में पूनरासर मेले के अवसर पर जेएस सेवा समिति की ओर से तीन दिवसीय 13वां भंडारा आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन 16 से 18 सितंबर तक नौरंगदेसर से लगभग तीन किलोमीटर आगे कच्चे मार्ग पर लगाया जाएगा। समिति के लक्ष्मी चंद पारख के अनुसार संस्था पिछले 12 वर्षों से लगातार भंडारे का आयोजन करती आ रही है। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए चाय, नाश्ता, स्वादिष्ट भोजन तथा शीतल व शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ भजन संध्या और डीजे के साथ आध्यात्मिक कार्यक्रम भी रखे गए हैं। आयोजकों ने बताया कि चिकित्सा सुविधा, स्नान और विश्राम की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। टेंट में कूलर और पंखों की सुविधा भी रहेगी, ताकि श्रद्धालुओं आराम मिल सके।

राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन 18 व 19 सितंबर को

बीकानेर (खबर आस पास)। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील का दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन 18 व 19 सितंबर को गंगाराम सीनियर सैकेंडरी स्कूल ,भूट्टों का चौराहा, गजनेर रोड, बीकानेर में आयोजित होगा । जिलाध्यक्ष आनंद पारीक ने बताया कि दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन में शिक्षा में उन्नयन एवं नई शिक्षा नीति पर गहन चिंतन मनन किया जाएगा। वही शिक्षकों से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर भी सम्मेलन में चर्चा की जाएगी। पारीक ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन 18 सितंबर को सुबह 11 बजे होगा। प्रदेश प्रवक्ता यतीश वर्मा ने जिला शैक्षिक सम्मेलन को सफल बनाने के लिए शिक्षकों की अधिकाधिक भागीदारी की अपील की। प्रदेश सलाहकार मंडल अध्यक्ष सुभाष आचार्य ओर प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री भंगासिंह यादव ने बताया कि सम्मेलन में सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करने, शिक्षकों के समक्ष चुनौतियों,बदलते परिवेश में युवा शिक्षकों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा होगी। प्रदेश वरिष्ठ मंत्री गुलाबनाथ योगी एवं प्रदेश संयुक्त मंत्री नंद किशोर शर्मा ने बताया कि शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यों से मुक्त करने,तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण सहित शिक्षकों की अन्य समस्याओं पर सम्मेलन में प्रमुखता से चर्चा की जाएगी।

आज का दिन आत्म अवलोकन का दिन

गंगाशहर (खबर आस पास)। जैन दर्शन के अनुसार यह संसार अनादि और अनंत है यह संसार था है और रहेगा। जैन दर्शन के अनुसार यह कालचक्र होता है दो चक्र के 6 अवसर्पिणी तथा 6 उवसर्पिणी काल। वर्तमान में अवसर्पिणी काल का पांचवा आरा चल रहा है। अवसर्पिणी काल ह्रास की और बढ़ता रहता है। यह 21000 वर्ष का होगा। पिता नाभि और माता मारूदेवा से भगवान ऋषभ का जन्म हुआ। सुमंगला सुनंदा के साथ भगवान ऋषभ के विवाह की परंपरा शुरू हुई। भगवान ऋषभ के 100 पुत्र और दो पुत्री हुई ब्राह्मी और सुंदरी नाम रखा। असि-मसी और कृषि की पूर्ण ज्ञान भगवान ऋषभ ने जनता को बताया। भगवान ऋषभ के साथ 4000 लोगों ने एक साथ दीक्षा ली। भगवान ऋषभ ने 1000 वर्ष तक साधना की। चार घन घाती कर्म का छय कर केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। चार तीर्थ की स्थापना की। पांचवा आरा 21000 वर्ष का है। समय अपनी गति से गतिमान है। 6 आरा लगते ही जैन धर्म नष्ट हो जाएगा। गंगा और सिंधु नदियां और वेतार्य पर्वत केवल बचा रहेगा। भादवा सुदी पंचम के दिन फिर से धर्म की शुरुआत होगी उस समय की जनता संकल्प करेगी कि हम अब अभक्ष्य नहीं खाएंगे। आज का दिन आत्म अवलोकन का दिन है। हम यह देखेंगे कि विगत वर्ष में क्या गलतियां की है कितने पाप किए हैं। आपसे प्रेम मेल मिलाप का, सौहार्द, समन्वय का दिन है। जिसके साथ कोई गांठ है ,कोई राग द्वेष है, उसे मिटाने का दिन है। ग्रंथि विमोचन का दिन है। गांठे खोलने का दिन है। खिचड़ी में जैसे घी समा जाता है उसी प्रकार हम एक दूसरे से मिल जाए। आपसी प्रेम और एकता का दिन है। आज के दिन जैन साधु -साध्वियां ,चारित्रआत्माएं चारों आहार पानी का त्याग करना अनिवार्य है। आहार पानी नहीं ले सकते हैं। आज के दिन सिर पर बाल नहीं हो केश लोचन अनिवार्य है। आज के दिन साधु संत कोई भी राग द्वेष नहीं रख सकते। आज के दिन आपस में खमत खामणा करना अनिवार्य है। मेल मिलाप परंस्परता और भूलों को भूलने का दिन है। मन को निर्मल बनाने का दिन है। जैन दर्शन हमें सिखाया है कि क्षमा केवल शब्द नही बल्कि आत्म शुद्धि का माध्यम है। इस प्रवाधिराज पर्युषण महापर्व के अवसर पर साध्वी कल्पयशा, साध्वी रश्मिप्रभा, साध्वी समन्वयप्रभा, साध्वी निश्चय प्रभा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष नवरतन बोथरा ने सभी से ज्यादा से ज्यादा सामायिक जाप, पौषध करने करने का लक्ष्य रखे।

पंचायती राज चुनाव के शेड्यूल में फिर बदलाव

बीकानेर (खबर आस पास)। राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के आगामी चुनाव 2026 की तैयारियों में जुटे लाखों ग्रामीण मतदाताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के लिए एक बड़ी खबर है। राज्य में 17 और 18 सितंबर को जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्यों, सरपंचों और वार्ड पंचों के पदों के लिए प्रस्तावित आरक्षण लॉटरी की तारीखें एक बार फिर टल गई हैं। प्रदेश में चल रही शहरी निकाय चुनाव की जारी प्रक्रिया और प्रशासनिक व्यस्तता के चलते पंचायती राज विभाग ने राज्य निर्वाचन आयोग को इस कार्यक्रम में बदलाव करने के संबंध में सुझाव दिया था, जिसपर आयोग आने बदलाव करने का फैसला लिया है।पंचायती राज विभाग की ओर से राज्य निर्वाचन आयोग को अवगत कराया गया था कि शहरी निकाय चुनाव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही पंचायती राज संस्थाओं की आरक्षण लॉटरी निकाली जाए।गौरतलब है कि ग्रामीण राजस्थान के सियासी गलियारों में पंचायती राज चुनावों को लेकर काफी लंबे समय से सरगर्मी बनी हुई है। तय शेड्यूल के मुताबिक 17 सितंबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए और 18 सितंबर को ग्राम पंचायतों के सरपंच व वार्ड पंचों के लिए जिला मुख्यालयों पर पारदर्शी लॉटरी प्रणाली से आरक्षण तय किया जाना था।आरक्षण की स्थिति साफ होने के बाद ही चुनाव लडऩे के इच्छुक ग्रामीण नेता और कार्यकर्ता अपनी-अपनी दावेदारी पक्की करने वाले थे। लेकिन अब इस पूरी प्रक्रिया के टलने से चुनाव लडऩे का इंतजार कर रहे प्रत्याशियों को थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। जल्द ही नई तिथियों की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी। पंचायती राज संस्थाओं की आरक्षण लॉटरी की तारीखें आगे बढ़ाने के पीछे सबसे मुख्य कारण शहरी निकायों (नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिका) में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के लिए चल रही चुनाव प्रक्रिया है।

17 सितंबर का निकाय शेड्यूल :

17 सितंबर 2026 को शहरी निकाय चुनाव में अध्यक्ष (मेयर/सभापति/अध्यक्ष) पद के नामांकन पत्रों की संवीक्षा का महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य होना तय है।

18 सितंबर का निकाय शेड्यूल :

18 सितंबर 2026 को प्रत्याशियों द्वारा नाम वापसी और अंतिम उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाना है।

प्रशासनिक अमले की व्यस्तता : जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी (स्ठ्ठह्), तहसीलदार और पुलिस महकमा पूरी तरह से निकाय चुनाव की व्यवस्थाओं में व्यस्त रहेगा। एक ही समय पर निकाय चुनाव और पंचायती राज लॉटरी दोनों का संचालन करना प्रशासनिक दृष्टिकोण से बेहद चुनौतीपूर्ण था।

अब तक का प्रस्तावित कार्यक्रम

पंचायती राज विभाग द्वारा पहले से तैयार किए गए खाके के अनुसार, राज्य में पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव को हर हाल में 15 नवंबर 2026 तक पूरा कराया जाना कानूनी रूप से अनिवार्य है।

पुरानी समय-सीमा : 17 सितंबर को जिला परिषद- पंचायत समिति और 18 सितंबर को सरपंचों के लिए लॉटरी निकलने के तुरंत बाद राज्य निर्वाचन आयोग चुनाव की औपचारिक अधिसूचना जारी करने वाला था।

संशोधित प्रक्रिया : अब माना जा रहा है कि निकाय चुनाव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के चुनाव (21-22 सितंबर) संपन्न होने के तुरंत बाद ही पंचायती राज के लिए नई लॉटरी तिथियों का ऐलान किया जाएगा।

15 नवंबर की डेडलाइन तिथियों में मामूली बदलाव के बावजूद राज्य निर्वाचन आयोग का लक्ष्य 15 नवंबर 2026 तक सभी चरणों की मतदान प्रक्रिया पूरी कराकर नए जनप्रतिनिधियों का गठन करने का रहेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों और दावेदारों पर क्या पड़ेगा असर?

राजस्थान के ग्रामीण अंचल में सरपंच और पंचायत समिति सदस्य बनने का सपना देख रहे स्थानीय युवाओं और वरिष्ठ नेताओं की नजरें पूरी तरह से इस आरक्षण प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं। जब तक यह तय नहीं हो जाता कि कौन सी सीट महिला, अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति,अन्य पिछड़ा वर्ग या सामान्य श्रेणी के लिए आरक्षित होगी, तब तक प्रत्याशी अपने स्तर पर प्रचार अभियान पूरी तरह शुरू नहीं कर पा रहे हैं।लॉटरी टलने से दावेदारों में थोड़ा असमंजस जरूर बढ़ा है, लेकिन प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि यह केवल कुछ ही दिनों की देरी है। निकाय चुनाव संपन्न होते ही सितंबर के अंतिम सप्ताह में ही नई आरक्षण सूची जारी कर दी जाएगी, जिससे उम्मीदवारों को अपनी चुनावी रणनीति बनाने के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा।

राजकीय उपजिला अस्पताल, श्रीडूंगरगढ़ में भेंट किए 12 एसी

श्रीडूंगरगढ़ (खबर आस पास)। उपजिला अस्पताल में मरीजों की सुविधा को देखते हुए दानदाताओं द्वारा 12 एसी भेंट किए गए है। इनमें श्रीडूंगरगढ़ के कालूबास निवासी एवं मुंबई प्रवासी रमेश पुत्र जय तंवर ने 9 एसी तथा श्रीडूंगरगढ़ निवासी देवराज लक्ष्मीनारायण गुरनाणी ने 3 एसी भेंट किए है। इस अवसर पर श्रीगोपाल राठी ने कहा कि अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए किया गया सहयोग समाज के लिए प्रेरणादायी है। रणवीर सिंह खींची ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा में किया गया सहयोग सबसे सार्थक सेवा है। विजयराज सेवग ने कहा कि अस्पताल की सुविधाओं में इस तरह के सहयोग से आमजन को सीधा लाभ मिलता है। भ्रूण हत्या गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण स्वामी ने कहा कि सामाजिक सहभागिता से अस्पताल की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में दानदाताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए अस्पताल प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश स्वामी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समाज सेवी भामाशाह श्रीगोपाल राठी व निर्मल पुगलिया का समय-समय पर सहयोग मिलता रहता है। जिसके लिए अस्पताल प्रशासन ने आभार व्यक्त किया। इस सेवा कार्य के प्रेरक सेवा भावी फार्मासिस्ट संदीप पारीक, विभिन्न सामाजिक संगठनों में सदेव सक्रिय भूमिका निभाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र स्वामी एवं बबलू सिंधी रहे। आपणो गांव श्रीडूंगरगढ़ ग्रुप परिवार के राजेंद्र स्वामी ने इस योगदान को अनुकरणीय बताया। इस दौरान गुरनाणी परिवार से रूपेश कुमार, सुनील कुमार, जेठानंद, कमल, नरेंद्र एवं हनी गुरनाणी के अलावा डॉ. जगदीश गोदारा, डॉ. रविन्द्र गोदारा, नर्सिंग ऑफिसर रमाकांत शर्मा, करणी सिंह बाना, निर्मल पुगलिया, किशोर मारू, देवेंद्र स्वामी, सुनील सारस्वत, नरेंद्र दुसाद सहित अन्य मौजूद रहे।

यहां लगेगी ये 12 एसी

उपजिला अस्पताल में दी गई 12 एसी में से जनरल वार्ड में 4, लेबर वार्ड में 4, नर्सिंग ड्यूटी रूम नंबर 7 में 1, ओपीडी रजिस्ट्रेशन में 1, इंजेक्शन रूम में 1, ट्रॉमा ICU में एक एसी लगाई जाएगी।

लघु उद्योग भारती ने किया लोक मंथन रथ यात्रा-2026 का रासीसर में स्वागत

रासीसर (खबर आस पास)। भारतीय ज्ञान परंपरा, लोक संस्कृति, चिंतन एवं राष्ट्रीय एकात्मकता को समर्पित लोक मंथन-2026 के जनजागरण अभियान के तहत निकाली जा रही लोक मंथन रथ यात्रा-2026 का मंगलवार को तालरिया बास, रासीसर खेल मैदान में लघु उद्योग भारती एवं ग्रामवासियों द्वारा स्वागत किया गया। रथ यात्रा के पहुंचने पर साफा एवं उपरना पहनाकर स्वागत किया गया तथा विद्यालय की छात्राओं ने पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। लघु उद्योग भारती के हर्ष कंसल ने बताया कि लोक मंथन-2026 का आयोजन 4, 5 एवं 6 दिसंबर को जवाहर कला केंद्र, जयपुर में होगा। इस वर्ष यात्रा की थीम 'हम भारत के लोग' रखी गई है, जो भारत की लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक विरासत तथा राष्ट्रीय एकात्मता की भावना को अभिव्यक्त करती है। कार्यक्रम में प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे. नंदकुमार, राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल, क्षेत्रीय संघ कार्यवाह जसवंत खत्री (पूर्व मुख्य अभियंता, क्ह्लुष्ठ), प्रज्ञा प्रवाह के प्रचार प्रमुख डॉ. राजेश जी मेठी, लोक मंथन रथ यात्रा के संयोजक पंकज कुमार, लघु उद्योग भारती जोधपुर प्रांत अध्यक्ष बालकिशन परिहार, करनी इकाई अध्यक्ष विनोद धानुका एवं खारा इकाई सचिव लाभू राम बिश्नोई सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। रथयात्रा के स्वागत में जयसुख सिगड़, रामप्रताप गोदारा, रामनिवास सिगड़, रमेश गोदारा, रामनिवास मंडा, लाभूराम सियाग, अशोक गोदारा, राजाराम पूनियां, मांगीलाल पूनियां, रिछपाल बिश्नोई, सुनील पूनियां, शुभकरण सियाग, सुशील, विकास एवं अशोक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। 'हम भारत के लोग' के संदेश के साथ रथ यात्रा अगले पड़ाव के लिए रवाना हुई।

स्कूलों में ही आत्मरक्षा सीखेंगी बेटियां

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने जारी किए आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए दिशा निर्देश, कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को मिलेंगी ट्रेनिंग, नियमित अभ्यास भी होगा

बीकानेर (खबर आस पास)। राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली बालिकाओं को अब अपनी सुरक्षा के लिए किसी दूसरे संस्थान या बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। स्कूल में ही उन्हें आत्मरक्षा की तकनीक सिखाई जाएगी। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त डॉ.रश्मि शर्मा ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण हेतु सत्र 2026-27 के दिशा निर्देश जारी किए है।इसमें कक्षा 6 से 12 तक की सभी बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम तय किया है। यह कार्यक्रम प्रदेश के 36 हजार 765 राजकीय विद्यालयों में संचालित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल बालिकाओं को आत्मरक्षा की तकनीक सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें शारीरिक,मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाना भी है। प्रशिक्षण के जरिए छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने, संभावित खतरे को पहचानने और छेड़छाड़ या असुरक्षा जैसी परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया गया है।

10 दिन का होगा शिविर, फिर पूरे साल होगा अभ्यास

कार्यक्रम के तहत सभी बालिकाओं के बैच बनाए जाएंगे और 10 दिन का प्रशिक्षण शिविर होगा। इसके बाद प्रशिक्षण को केवल शिविर तक सीमित नहीं रखा जाएगा। बालिकाओं के लिए नियमित अभ्यास सत्र भी होंगे। अक्टूबर और दिसंबर 2026, फरवरी और अप्रैल 2027 में 15-15 दिन के अभ्यास सत्र होंगे। कक्षा 6 से 8 और कक्षा 9 से 12 की छात्राओं के लिए अलग-अलग समूह बनाए जाएंगे। प्रशिक्षण को स्कूल की समय-सारणी में प्राथमिकता देने और चर्चा सत्रों को भी उसमें शामिल किया जाएगा। प्रशिक्षण की जिम्मेदारी महिला शारीरिक शिक्षक को दी गई है।

सिर्फ मार्शल आर्ट नहीं,अधिकार और सुरक्षा की भी जानकारी

आत्मरक्षा प्रशिक्षण में छात्राओं को मार्शल आर्ट और आत्मरक्षा की तकनीक के साथ उनके अधिकारों और बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनों की जानकारी भी दी जाएगी। उन्हें पोक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम-2015 के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में बताया जाएगा। छात्राओं को यह भी समझाया जाएगा कि किसी परेशानी, हिंसा या अपराध की स्थिति में शिकायत कहां और कैसे की जा सकती है। बाल सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं और संबंधित आयोग की जानकारी भी दी जाएगी। स्कूलों में नजदीकी पुलिस थाने के बीट कांस्टेबल और थाना प्रभारी को भी छात्राओं से बातचीत के लिए बुलाया जाएगा। इस दौरान बाल सुरक्षा, कानूनी प्रावधान और प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी। छात्राओं को अपनी परेशानी बताने के लिए व्यक्तिगत बातचीत का अवसर देने तथा जरूरत पड़ने पर पर्ची के माध्यम से अपनी उलझन या असुरक्षा साझा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रशिक्षण में चयनित प्रति स्कूल को मिलेंगे 2 हजार 500 रुपए

आत्म रक्षा प्रशिक्षण में चयनित स्कूलों को कार्यक्रम के लिए सरकार से प्रति विद्यालय 2 हजार 500 की राशि स्वीकृत की गई है। इससे प्रशिक्षण से संबंधित बैनर, स्टेशनरी, फोटोकॉपी और जरूरी सामग्री पर खर्च किया जाएगा।

एक्सपर्ट व्यू: बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान करना उनकी सुरक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदमः सलावद

कवि कथाकार राजाराम स्वर्णकार की पुस्तकों का लोकार्पण बुधवार को

बीकानेर (खबर आस पास)। शब्दरंग साहित्य एवं कला संस्थान के तत्वावधान में कवि कथाकार राजाराम स्वर्णकार के राजस्थानी कहानी संग्रह 'उडीक' एव हिंदी मुक्तक संग्रह 'मुक्तक मंजरी' का लोकार्पण 16 सितम्बर बुधवार नरेन्द्रसिंह ओडिटोरियम में शाम 5.15 बजे कोंया जाएगा। संस्थान के संयोजक अशफाक कादरी ने बताया कि लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता साहित्यकार मधु आचार्य आशावादी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. उमाकांत गुप्त, विशिष्ट अतिथि कवि कथाकार राजेन्द्र जोशी होंगे । कार्यक्रम में लेखक परिचय डॉ. अजय जोशी डॉ. नासिर जैदी प्रस्तुत करेंगे। कवि संजय आचार्य वरुण तथा डॉ. हरिशंकर आचार्य लोकार्पित पुस्तकों पर पत्रवाचन करेंगे। कार्यक्रम में डॉ. हरिदास हर्ष, ज्योतिषाचार्य रामराज टॉक, शंकर सिंह राजपुरोहित, रमेश कुमार शर्मा का सम्मान किया जाएगा ।

यूपीआई पेमेंट ट्रांजैक्शन पर 5 से 300 रुपये तक लगेगा चार्ज, जानिए कहां कितना देना होगा शुल्क

नई दिल्ली। यूपीआई से महीने में एक लाख रुपये तक भुगतान लेने वाले छोटे दुकानदारों पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। रेलवे, बीमा, संचार और ईंधन जैसे चुनिंदा सेवाओं के लिए भुगतान पर 2,000 रुपये से ऊपर सिर्फ पांच रुपये का फ्लैट शुल्क होगा।

बाकी बड़े व्यापारिक लेनदेन पर 2,000 रुपये पार होने के बाद 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगेगा, लेकिन 75 हजार रुपये से ज्यादा की राशि के भुगतान के लिए शुल्क की अधिकतम सीमा 300 रुपये प्रति लेनदेन तय की गई है।

यह जानकारी मंगलवार को पहले राष्ट्रीय भुगतान निगम यानी NPCI ने दी और उसके बाद वित्त मंत्रालय की तरफ से इस बारे में विस्तृत दिशानिर्देश जारी किया।

यूपीआई ट्रांजैक्शन को लेकर क्या हैं नियम?

इसमें कहा गया है कि, 'आम ग्राहक बगैर अतिरिक्त बोझ के भुगतान करते रहेंगे। दो हजार रुपये तक के ज्यादातर सौदे भी शुल्क से बाहर रहेंगे। नया ढांचा 15 अक्टूबर 2026 से लागू होगा।'

वित्त मंत्रालय ने बताया है कि, 'जरूरी सेवाओं पर सरकार ने शुल्क कम रखा है। रेलवे, टेलीकॉम, बीमा, ईंधन और कृषि इनपुट जैसी श्रेणियों में 2,000 रुपये से ऊपर के यूपीआई भुगतान पर सिर्फ 5 रुपये का फ्लैट एमडीआर लगेगा।'

मंत्रालय ने आगे बताया, 'मकसद यह है कि सार्वजनिक सेवाओं और कम मार्जिन वाले कारोबार में लागत न बढ़े। इनका कुल यूपीआइ के तहत व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को होने वाले भुगतान (पर्सन टू मर्चेंट-पी2एम) का कुल लेनदेन की संख्या का 17 फीसद और इनके व्यापारिक मूल्य का करीब 46 फीसद हिस्सा होता है। पूंजी बाजार के भुगतान अलग श्रेणी में रखे गए हैं।'

वित्त मंत्रालय ने बताया है कि, 'जरूरी सेवाओं पर सरकार ने शुल्क कम रखा है। रेलवे, टेलीकॉम, बीमा, ईंधन और कृषि इनपुट जैसी श्रेणियों में 2,000 रुपये से ऊपर के यूपीआई भुगतान पर सिर्फ 5 रुपये का फ्लैट एमडीआर लगेगा।'

मंत्रालय ने आगे बताया, 'मकसद यह है कि सार्वजनिक सेवाओं और कम मार्जिन वाले कारोबार में लागत न बढ़े। इनका कुल यूपीआइ के तहत व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को होने वाले भुगतान (पर्सन टू मर्चेंट-पी2एम) का कुल लेनदेन की संख्या का 17 फीसद और इनके व्यापारिक मूल्य का करीब 46 फीसद हिस्सा होता है। पूंजी बाजार के भुगतान अलग श्रेणी में रखे गए हैं।'

वित्त मंत्रालय ने आगे बताया, 'म्यूचुअल फंड, प्रतिभूति, स्टॉक ब्रोकर और डीलरों को दिए जाने वाले भुगतान पर 0.02 प्रतिशत का मामूली एमडीआर लगेगा, अधिकतम सीमा 300 रुपये रहेगी।'

सरकार या एनपीसीआइ ने इस बात का जवाब नहीं दिया है कि कंपनियां क्या ग्राहकों पर बढ़े हुए एमडीआर का बोझ डालेंगी या नहीं।

सुरक्षा के लिए लगाया जा रहा शुल्क

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि, 'ग्राहकों की सुरक्षा इंतजाम मजबूत किये जा रहे हैं। यूपीआइ एप चलाने वाली कंपनियां प्लेटफॉर्म शुल्क या छिपा हुआ चार्ज नहीं लगा सकेंगी। बैंकों को सलाह दी गई है कि व्यापारी एमडीआर का बोझ ग्राहक पर न डालें। आम उपयोगकर्ता के लिए मुफ्त यूपीआई पर कोई मासिक कोटा, मात्रा सीमा या स्लैब नहीं होगा।'

वित्त मंत्रालय ने बताया, 'बैंक और एनपीसीआई की ओर से लगने वाली रोजाना सीमा श्रेणी के हिसाब से एक से पांच लाख रुपये तक, सिर्फ सुरक्षा और जोखिम नियंत्रण के लिए है, शुल्क वसूलने का जरिया नहीं।'

साफ है कि इस बारे में कारोबारी संस्थानों को सिर्फ सलाह दी जा सकती है। जैसे कि अभी हम अभी भी देखते हैं कि कई दुकानदार डेबिट व क्रेडिट कार्ड से भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लेते हैं क्योंकि आरबीआइ ने उन्हें साफ तौर पर ऐसा करने से मना नहीं किया है।

एनपीसीआई ने अपनी इस बात को दोहराया है कि एमडीआर की नई व्यवस्था से करीब 95 प्रतिशत छोटे यूपीआई लेनदेन पर असर नहीं पड़ेगा। छोटे व्यापारियों और छोटे बाजारों के डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक अलग फंड भी बनाने की घोषणा की गई है।

साथ ही संस्था का दावा है कि नई शुल्क लगाने के बावजूद यूपीआइ अन्य प्रचलित डिजिटल भुगतान सुविधाओं जैसे डेबिट व क्रेडिट कार्ड और वैलेट से कम ही रहेगा।

साइबर सुरक्षा, विधिक जागरूकता एवं नशामुक्ति को लेकर विधिक चेतना शिविर आयोजित

लूणकरणसर (खबर आस पास)। डॉ. राधाकृष्णन पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय दुल्मेरा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में साइबर सुरक्षा, विधिक पहलुओं, बाल विवाह निषेध कानून एवं नशामुक्ति को लेकर विधिक चेतना शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विद्यार्थियों को उनके विधिक अधिकारों एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया।

शिविर के मुख्य वक्ता अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को विभिन्न विधिक प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराधों के प्रति सजग एवं सतर्क रहना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर ठगी, ओटीपी, ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल सदस्य अधिकार मित्र श्रेयांस बैद ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए जागरूकता एवं कानून के प्रभावी पालन की आवश्यकता बताई। उन्होंने विद्यार्थियों से बाल विवाह के विरुद्ध स्वयं जागरूक होने तथा अपने आसपास भी लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया।

पैनल सदस्य पुष्पेंद्र चौधरी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे विधिक जागरूकता शिविरों एवं उनके उद्देश्यों की जानकारी दी।

इस दौरान विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, अनुशासित एवं जिम्मेदार जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि युवा पीढ़ी को विधिक रूप से जागरूक बनाकर ही सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज की मजबूत नींव रखी जा सकती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रिंसिपल हनुमान सिंह पंवार ने मुख्य वक्ता न्यायिक मजिस्ट्रेट का संजीव कुमार एवं अधिकार मित्र को प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया ।

राजकीय उपजिला अस्पताल को भेंट किए 12 एसी

रोगियों को मिली सुविधा, भामाशाह का किया आभार व्यक्त

श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर तोलाराम मारू। उपजिला अस्पताल में मरीजों की सुविधा को देखते हुए दानदाताओं द्वारा 12 एसी भेंट किए गए है। इनमें श्रीडूंगरगढ़ के कालूबास निवासी एवं मुंबई प्रवासी * रमेश पुत्र जय तवर पोत्र नागरमल तंवर ने 9 एसी* तथा श्रीडूंगरगढ़ निवासी देवराज लक्ष्मीनारायण गुरनाणी ने 3 एसी भेंट किए है।

इस अवसर पर श्रीगोपाल राठी ने कहा कि अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए किया गया सहयोग समाज के लिए प्रेरणादायी है। रणवीर सिंह खींची ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा में किया गया सहयोग सबसे सार्थक सेवा है। विजयराज सेवग ने कहा कि अस्पताल की सुविधाओं में इस तरह के सहयोग से आमजन को सीधा लाभ मिलता है।

भ्रूण हत्या गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण स्वामी ने कहा कि सामाजिक सहभागिता से अस्पताल की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में दानदाताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए अस्पताल प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश स्वामी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समाज सेवी भामाशाह श्रीगोपाल राठी व निर्मल पुगलिया का समय-समय पर सहयोग मिलता रहता है। जिसके लिए अस्पताल प्रशासन ने आभार व्यक्त किया।

इस सेवा कार्य के प्रेरक सेवा भावी फार्मासिस्ट संदीप पारीक, विभिन्न सामाजिक संगठनों में सदेव सक्रिय भूमिका निभाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र स्वामी एवं बबलू सिंधी रहे। आपणो गांव श्रीडूंगरगढ़ ग्रुप परिवार के राजेंद्र स्वामी ने इस योगदान को अनुकरणीय बताया।

इस दौरान गुरनाणी परिवार से रूपेश कुमार, सुनील कुमार, जेठानंद, कमल, नरेंद्र एवं हनी गुरनाणी के अलावा डॉ. जगदीश गोदारा, डॉ. रविन्द्र गोदारा, नर्सिंग ऑफिसर रमाकांत शर्मा, करणी सिंह बाना, निर्मल पुगलिया, किशोर मारू, देवेंद्र स्वामी, सुनील सारस्वत, नरेंद्र दुसाद सहित अन्य मौजूद रहे।

यहाँ लगेगी ये 12 एसी

उपजिला अस्पताल में दी गई 12 एसी में से जनरल वार्ड में 4, लेबर वार्ड में 4, नर्सिंग ड्यूटी रूम नंबर 7 में 1, ओपीडी रजिस्ट्रेशन में 1, इंजेक्शन रूम में 1, ट्रॉमा ड्डष्ट में 1 एसी लगाई जाएगी। अस्पताल प्रशासन ने समय-समय पर दानदाताओ द्वारा दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

जोधपुर में इंटरनेशनल कार्टिलेज कॉन्फ्रेंस में PBM हॉस्पिटल के नव निर्मित OBRC और नई BMAC तकनीक पर चर्चा

कार्टिलेज रिपेयर की आधुनिक तकनीकों पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

बीकानेर श्रेयांस बैद, (खबर आस पास)। जोधपुर में आयोजित इंटरनेशनल कार्टिलेज सोसायटी (ICRS) कॉन्फ्रेंस में कार्टिलेज रिपेयर की नवीनतम तकनीकों पर गहन चर्चा हुई। कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने कार्टिलेज से जुड़ी समस्याओं के आधुनिक उपचार और पुनर्निर्माण की तकनीकों पर विचार-विमर्श किया। पीबीएम हॉस्पिटल के senior अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ अजय कपूर ने बताया कि इस दौरान पीबीएम हॉस्पिटल, बीकानेर के ट्रॉमा सेंटर में बन रहे नव निर्मित ह्वक्मष्ट (ऑर्थोबायोलॉजिक्स रिसर्च सेंटर) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यह सेंटर पश्चिमी राजस्थान में कार्टिलेज पुनर्निर्माण एवं जॉइंट प्रिजर्वेशन के लिए एक समर्पित सुविधा के रूप में विकसित किया जा रहा है।

कॉन्फ्रेंस का मुख्य आकर्षण बिना सेंट्रीफ्यूजेशन के BMAC (बोन मैरो एस्पिरेट कंसंट्रेट) प्रक्रिया रही। विशेषज्ञों के अनुसार यह आधुनिक तकनीक कम समय और कम खर्च में अधिक सुरक्षित तरीके से मरीज की अपनी अस्थि मज्जा से कार्टिलेज रिपेयर में सहायक है। विशेषज्ञों ने बताया कि घुटने और टखने के कार्टिलेज डिफेक्ट के उपचार में स्कैफोल्ड-आधारित तकनीक के साथ ऑर्थोबायोलॉजिक्स के उपयोग से भविष्य में जॉइंट प्रत्यारोपण की आवश्यकता को कम किया जा सकता है।

कॉन्फ्रेंस में कार्टिलेज संरक्षण, पुनर्निर्माण तथा जॉइंट प्रिजर्वेशन इनजॉइंट आर्थराइटिस ऑफ मेजर एंड स्मॉल जॉइंट्स के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध और तकनीकी प्रगति पर भी चर्चा की गई।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संपादक सत्येन्द्र राजवंशी के लिए शारदा ऑफसेट, मुख्य डाकघर के पास, कुचिलपुरा, गजनेर रोड, बीकानेर, राजस्थान से मुद्रित एवं वार्ड नं. 01, गोदारा बास, मोमासर, बीकानेर, राजस्थान से प्रकाशित । संपादक- सत्येन्द्र राजवंशी मो. 95875 70001